अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) | दिनांक 21.12.2015

पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

भिक्षु दृष्टांत – 30

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। 8

(क) केलवे के चपलोत उदैरामजी ने दीक्षा कब और कहाँ ली?

(ख) ''तुम्हारे गुरु का शिर मूंड़ा, उनके सम्प्रदाय की'' साध्वियों के इस कथन पर हेमजी स्वामी ने क्या प्रत्युत्तर दिया?

(ग) ''हिंसा के बिना धर्म होता ही नहीं'' यह कथन किसने किसको कहा?

(घ) पुण्य व निर्जरा का समय अलग–अलग कौन से सूत्र में बताया गया है?

(ङ) कलाल के घर से पानी लाने का त्याग किसने किसको करवाया?

(च) मोक्ष कौन से गुणस्थान में जाता है? यह प्रश्न किसने किससे पूछा?

(छ) ''भीखणजी कहते थे – यह तो लंगूरिया है''। यह कथन किसने किसको कहा?

(ज) ''एक जीव और आठ अजीव'' यह श्रद्धा किसकी बतायी गयी?

(झ) किशनगढ़ में तेरापंथ के कितने साधुओं ने नानगजी आदि कितने साधुओं से चर्चा की?

(ञ) ''समझूंगा, एक खरगोश अधिक मारा'' यह कथन किसने क्यों कहा?

प्र.2 किन्हीं दो घटना–प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें। 12

(क) क्या इतनी चर्चा ही मुझे नहीं आती? (ख) शुभ योग आश्रव या निर्जरा।

(ग) एक एक कर छिन्न भिन्न कर दें। (घ) हिंसा में धर्म कहाँ?

प्र.3 टीकमजी व हेमराजजी स्वामी की किन्हीं चार चर्चाओं का उल्लेख करते हुए सिद्ध करें कि हेमजी स्वामी ने धर्म का उद्योत किया। 10

''अथवा''

संवेगी साधु रूपविजयजी के साथ हुई हेमराजजी स्वामी की चर्चाओं को लिखें।

भ्रम विध्वंसन – 35

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 8

(क) आचार्य भिक्षु के साहित्य में तात्त्विकता का पुट मिलने का क्या कारण है?

(ख) इस ग्रन्थ में समागत पच्चीस विषयों पर की गयी चर्चा का आधार क्या है?

(ग) भ्रमविध्वंसन ग्रन्थ का खण्डन कौन से सन्त ने किस साहित्य की रचना कर किया?

(घ) मोक्ष में जाते समय आगमों में कितनी अवस्थाओं का वर्णन आता है?

(ङ) ''कोणिक ने अपने पिता श्रेणिक को बंदी बनाया'' यह प्रसंग कौन से सूत्र में आया हुआ है?

(च) ईर्यापथिक क्रिया किसके लगती है?

(छ) श्रावकों को श्रुत का ज्ञाता किस रूप में कहा गया है?

(ज) बासी भोजन का निषेध किस कारण किया गया?

(झ) ''अधिकरण'' शब्द का क्या अर्थ है?

(ञ) वैक्रिय लब्धि के प्रयोग से कितनी क्रियाओं के लगने का वर्णन है?

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) साधु के आहार को पाप का बंधन क्यों नहीं माना गया है?

(ख) आचारांग सूत्र के अनुसार साधु श्रावक को किन–किन नामों से सम्बोधित कर सकता है?

(ग) आत्म रक्षा का साधन 'एकान्त गमन' से क्या तात्पर्य है?

(घ) जैन सिद्धान्त दीपिका में आत्मदया की क्या व्याख्या की गयी है?

प्र.6 कोई दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12

(क) एकाकी–साधुविहार पर टिप्पणी लिखें।

(ख) उदयजन्य लब्धि पर टिप्पणी लिखें।

(ग) छद्मस्थ अवस्था में साधु के कितनी लेश्या पायी जाती है? समाधान के साथ स्पष्ट करें।

(घ) साधुओं के लिए काव्य रचना व संगीत के प्रयोग का वर्जन करने वालों को ग्रन्थाकार ने क्या समाधान दिया?

प्र.7 ''दान का प्रसंग पात्र और अपात्र के विवेक से ही परिपूर्ण बनता है।'' इस कथन को आगम संदर्भों से स्पष्ट करें। 10

'अथवा'

''मिथ्यात्वी की क्रिया'' पर प्रकाश डालें।

भिक्षु गीता – 20

प्र.8 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 3

(क) अनुशासन का स्वरूप व फल क्या है?

(ख) आचार्य भिक्षु ने मर्यादा का विधान किसके लिए किया?

(ग) गण की संरचना किन तत्त्वों से हुई?

(घ) भावनाओं के अभ्यास के लिए कितने समय का क्रम निर्देशित होना चाहिए?

(ङ) अनुप्रेक्षा के फल का वर्णन कौन से आगम में दिया गया है?

प्र.9 भिक्षु गीता के संदर्भ से अनुशासन पर प्रकाश ड़ालें। 5

'अथवा'

साधु को समिति और गुप्ति की साधना क्यों करनी चाहिए?

प्र10 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 12

(क) शुद्धा नीतिः कामधेनुः प्रशस्ता
दोग्धुं विद्वान् वेत्ति यो नीतिनिष्ठः।
तस्यावश्यं कामना सिद्धिमेति
नीतिर्मूल्यं यत्र संघे स संघः।।

(ख) आचारे सूत्र–सिद्धान्ते संशयः समुपस्थितः।
उत्पन्नं चिन्तनं नव्यं प्रष्टव्योऽस्ति बहुश्रुतः।।

(ग) साधुत्वे संघसीमायां विघ्नो यावद् भवन्नेहि।
तावत् सहिष्णुताऽऽदेया नादेयास्ति ततः परम्।।

(घ) निर्जरा महती यत्र, तत्र साधोर्गतिर्भवेत्।
निर्जरार्थी सदानन्दः प्रशस्तो मुनिसत्तमः।।

भिक्षु वाणी (पूर्व कंठस्य) – 15

प्र11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) गलियार गद्यो.....पार घाले।। (ख) कोई कहें.....धर्म साख्यात।।

(ग) खोटो नांणो.....किम जाय।। (घ) कलीव रांक.....री चाल।।

प्र12 कोई तीन विषयों पर पद्य लिखें। 9

(क) असाधु (ख) धर्म (ग) वीतराग धर्म (घ) जीवन सूत्र

(ड़) होनहार